

मोहन काहे करत है- चोरी
काहे करत है चोरी- हाँ रे- काहे करत बरजोरी
घर में कौन कमी है- तोरे...

पर घर माखन खाय- हाँ- हाँ- पर घर माखन खाय
दीध माखन को बेर लगो है
काहे मोहे लजाये- हाँ- हाँ- काहे मोहे लजाये

मोहन काहे- - - -

रोज- उरेहनों तेरो आये...
किन-किन को समझाऊँ- हाँ- हाँ- किन किन को समझाऊँ
एक दिना की बात जा होती
रोज-रोज शरमाऊँ- हाँ- हाँ- रोज-रोज शरमाऊँ

मोहन काहे- - - -

बँधे "श्री बाबा श्री" आज रसरी में
नयनन नीर बहाँय- हाँ- हाँ- नयनन नीर बहाँय
देख- दशा अपने लालन की-
यशुदा नीर बहाँय- हाँ- हाँ- यशुदा नीर बहाँय
लालन काहे करत है चोरी- मोहन काहे- - - -